an>

Title: Need to provide broadband connectivity to gram panchayats in Chatra, Latehar and Palamu districts in Jharkhand under Bharat Net Project.

श्री सुनील कुमार सिंह (चतरा) ः देश में हाई स्पीड इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए दूरसंचार आयोग द्वारा दिनाँक 30 अप्रैल, 2016 को राष्ट्रीय ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क (भारतनेट) परियोजना को तीन चरणों में शुरु किया गया था। भारतनेट परियोजना के प्रथम चरण के अंतर्गत मार्च, 2017 तक भूमिगत ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओ.एफ.सी.) बिछाकर 1 लाख ग्राम पंचायतों को जोड़ना था और दूसरे चरण में दिसम्बर, 2018 तक देश की शेष 1.5 लाख ग्राम पंचायतों को कनेक्टिविटी प्रदान करना है। केन्द्र सरकार की भारतनेट परियोजना एक अद्वितीय परियोजना है। इस योजना से देश की सभी ग्राम पंचायतों में 100 एम.बी.पी.एस. की ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करके डिजिटल इण्डिया का सपना साकार करना है।

दिनाँक 05 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार, भारतनेट के प्रथम चरण में कुल 123526 ग्राम पंचायतें शामिल की गई थीं, जिसमें से 77831 ग्राम पंचायतों में केबल बिछ गई है। वहीं झारखण्ड राज्य में कुल ग्राम पंचायतों 4423 में से 2713 ग्राम पंचायतें प्रथम चरण के लिए शामिल की गई हैं। इसमें से 1387 ग्राम पंचायतों (लगभग 51 प्रतिशत) में ही केबल बिछाई गई है। सरकार का लक्ष्य दिसम्बर, 2018 तक देश की सभी ग्राम पंचायतों को इण्टरनेट से जोड़ना है। लेकिन भारतनेट परियोजना का कार्य बहुत ही धीमी गति से हो रहा है। विशेषकर झारखण्ड के नक्सल प्रभावित जिलों में तो अभी कार्य प्रारंभ भी नहीं हुआ है। प्रथम चरण में मार्च, 2017 तक 1 लाख ग्राम पंचायतों तक इंटरनेट पहुँचाने का लक्ष्य भी मात्र 25 प्रतिशत पूरा हुआ है। 01 जुलाई, 2017 के अनुसार देश में मात्र 23147 ग्राम पंचायतों में इण्टरनेट ऐक्टिव है। इसलिए भारतनेट परियोजना के कार्य में बहुत तेजी लाने एवं निगरानी की जरूरत है। झारखण्ड राज्य में मात्र 487 ग्राम पंचायतों में इंटरनेट है, जिनमें मेरे लोक सभा क्षेत्र के चतरा, लातेहार एवं पलामू जिले की एक भी ग्राम पंचायत शामिल नहीं है। झारखण्ड में यह कार्य पॉवर ग्रिड कारपोरेशन ऑफ इण्डिया लि. (पी.जी.सी.आई.एल.) के द्वारा किया जा रहा है। पी.जी.सी.आई.एल. अच्छा कार्य नहीं कर रही है। पी.जी.सी.आई.एल. का प्रदर्शन बहुत खराब है।

अतः मेरा सरकार से आग्रह है कि भारतनेट परियोजना को मेरे लोक सभा क्षेत्र के चतरा, लातेहार एवं पलामू जिलों में शीघ्र लागू किया जाए और झारखण्ड में भारतनेट से पी.जी.सी.आई.एल. को हटाकर बी.एस.एन.एल. के द्वारा कार्य शुरू किया जाए।